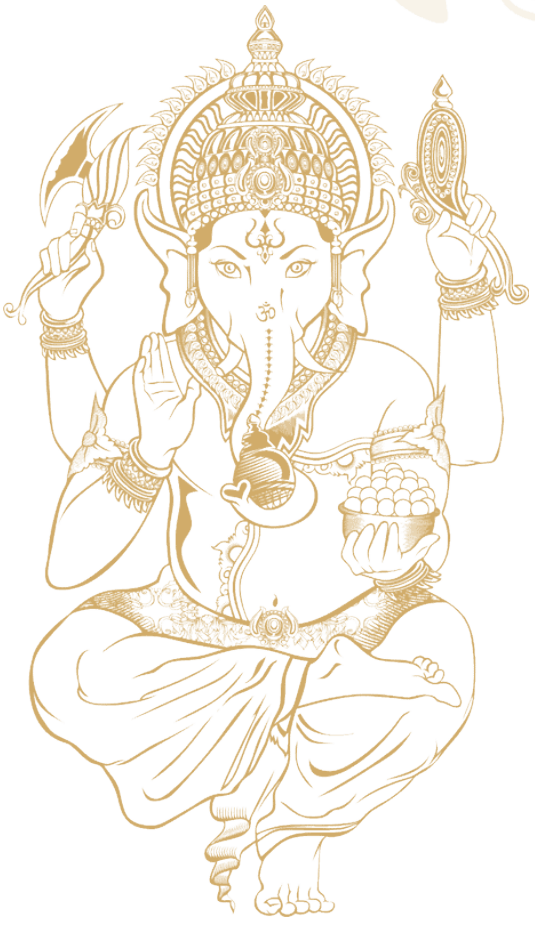

Koushal kumar paswan

Khushbu kumari

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121636301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121636301 Date: 18/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/12/1991	जन्म तिथि	24/07/2002
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:31:00	जन्म समय	17:30:00 घंटे
घटी 25:17:16	जन्म समय(घटी)	30:40:11 घटी
India	देश	India
Hazaribagh	स्थान	Kodarma
24:00:00 उत्तर	अक्षांश	24:28:00 उत्तर
85:23:00 पूर्व	रेखांश	85:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:32	स्थानिक संस्कार	00:12:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:05	सूर्योदय	05:12:13
17:03:37	सूर्यास्त	18:35:34
23:44:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:19

वृष	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मीन	राशि	मकर
गुरु	राशि-स्वामी	शनि
रेवती	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
बुध	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	4
वरियान	योग	प्रीति
गर	करण	बालव
चा-चाणक्य	जन्म नामाक्षर	जी-जीविका
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	जलचर
गज	योनि	नकुल
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 7वर्ष 0मा 22दि	23:23:13	वृष	लग्न	धनु	21:32:45	सूर्य 0वर्ष 5मा 20दि
सूर्य	00:14:05	धनु	सूर्य	कर्क	07:32:01	राहु
07/01/2026	24:27:42	मीन	चंद्र	मक	08:57:07	13/01/2020
08/01/2032	18:42:03	वृश्चि	मंगल	कर्क	13:04:39	12/01/2038
सूर्य 27/04/2026	14:30:26	वृश्चि व	बुध	कर्क	11:27:44	राहु 25/09/2022
चन्द्र 26/10/2026	20:32:47	सिंह	गुरु	कर्क	04:16:58	गुरु 18/02/2025
मंगल 03/03/2027	18:07:45	तुला	शुक्र	सिंह	21:15:32	शनि 25/12/2027
राहु 26/01/2028	10:27:12	मक	शनि	मिथु	00:09:24	बुध 14/07/2030
गुरु 13/11/2028	16:12:19	धनु व	राहु व	वृष	23:15:42	केतु 01/08/2031
शनि 26/10/2029	16:12:19	मिथु व	केतु व	वृश्चि	23:15:42	शुक्र 01/08/2034
बुध 02/09/2030	19:01:07	धनु	हर्ष व	कुंभ	03:58:31	सूर्य 26/06/2035
केतु 07/01/2031	21:53:36	धनु	नेप व	मक	15:55:34	चन्द्र 25/12/2036
शुक्र 08/01/2032	27:49:54	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	21:17:26	मंगल 12/01/2038

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:57 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:19

लग्न-चलित

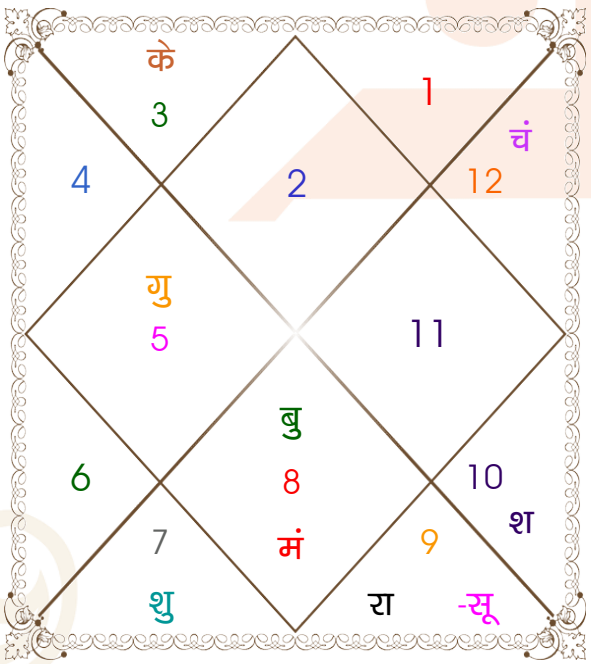

लग्न-चलित

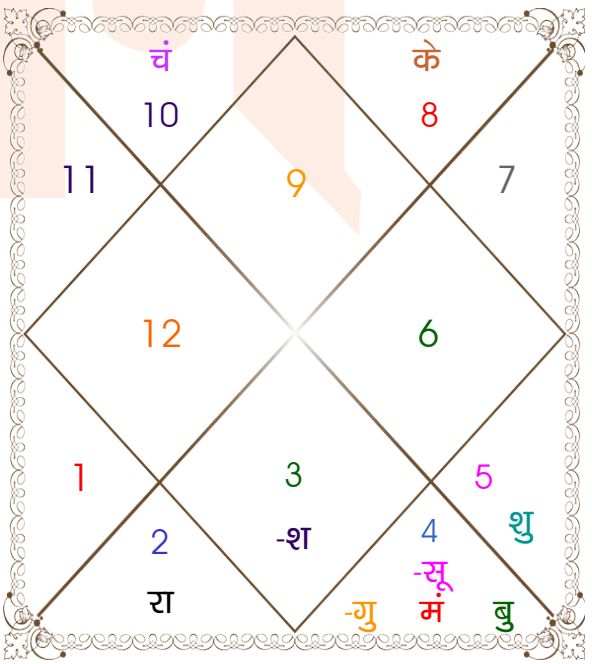

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

कुल : **21.5 / 36**

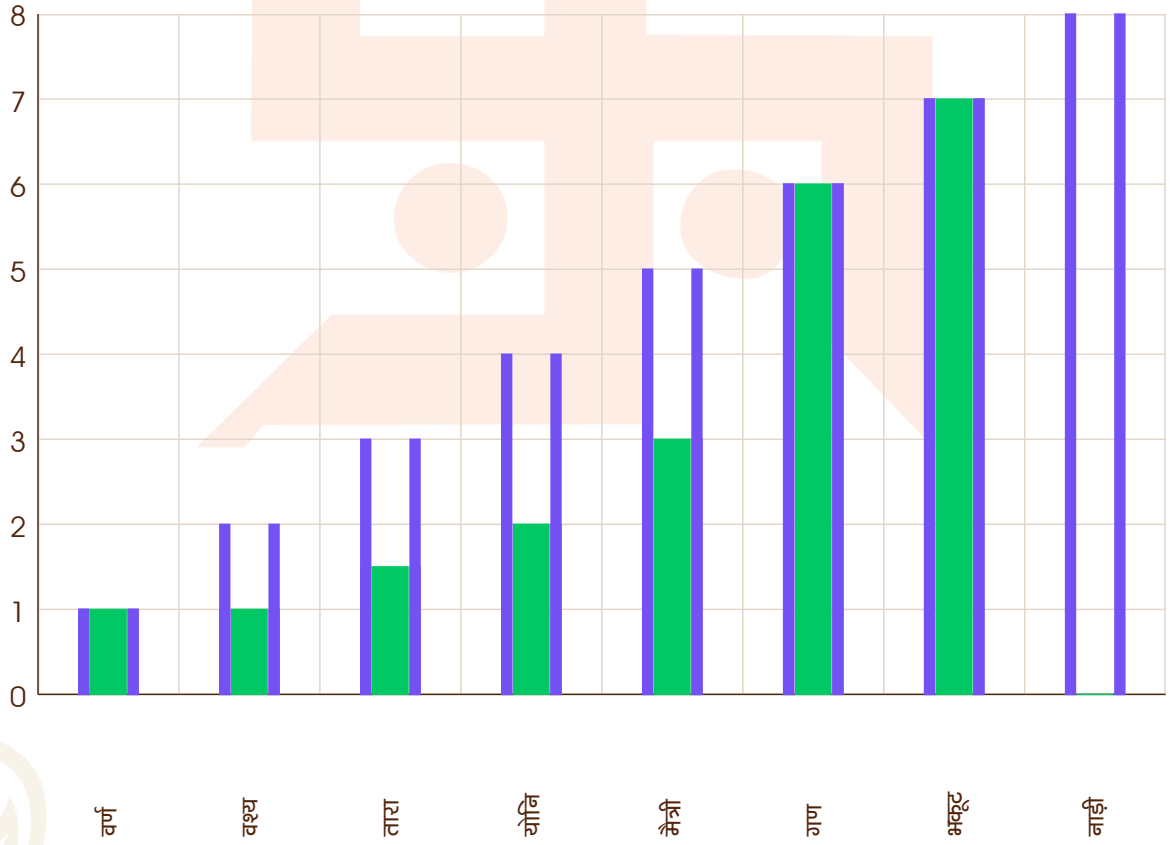

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि झवर्नीस ।नउंत चूंद का नक्षत्र रेवती है।

झवर्नीस ।नउंत चूंद का वर्ग सिंह है तथा झीनींइन ।नउंतप का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झवर्नीस ।नउंत चूंद और झीनींइन ।नउंतप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

झवर्नीस ।नउंत चूंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;डडम्ग्ंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल झवर्नीस ।नउंत चूंद कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

झीनींइन ।नउंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ध्;थ्ंत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल झीनींइन ।नउंतप कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु झीनींइन ।नउंतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ज्ञीनीइन ानउंतप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ज्ञीनीइन ानउंतप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद तथा ज्ञीनीइन ानउंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

9835195382

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद का वर्ण ब्राह्मण तथा ज्ञीनोंइन ानउंतप का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। ज्ञीनोंइन ानउंतप सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। ज्ञीनोंइन ानउंतप मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद का वश्य जलचर है एवं ज्ञीनोंइन ानउंतप का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद की तारा वध तथा ज्ञीनोंइन ानउंतप की तारा क्षेम है। ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु ज्ञीनोंइन ानउंतप लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद की योनि गज है तथा ज्ञीनोंइन ानउंतप की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के

बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद एवं ज्ञीनोंइन ानउंतप दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद का गण देव तथा ज्ञीनोंइन ानउंतप का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु ज्ञीनोंइन ानउंतप अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद से ज्ञीनोंइन ानउंतप की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा ज्ञीनोंइन ानउंतप से ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर ज्ञीनोंइन ानउंतप हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में

महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद की नाड़ी अन्त्य है तथा ज्ञीनोंइन ानउंतप की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद एवं ज्ञीनोंइन ानउंतप की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा ज्ञीनोंइन ानउंतप की पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। पृथ्वी एवं जलतत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद और ज्ञीनोंइन ानउंतप की स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे परस्पर में संबधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा ज्ञीनोंइन ानउंतप की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे जिससे संबंधों में सुदृढ़ता रहेगी तथा दाम्पत्य जीवन भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। वे एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की यत्न पूर्वक उपेक्षा करेंगे जिससे आपस में विश्वास तथा आत्मिक आकर्षण रहेगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के अस्तित्व तथा स्वतंत्रता का भी सम्मान करेंगे जिससे वैवाहिक सुख की अनुकूलता रहेगी।

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद और ज्ञीनोंइन ानउंतप की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति त्याग का भाव भी विद्यमान होगा। वे एक दूसरे के लिए अत्यंत ही सौभाग्यशाली होंगे तथा आर्थिक स्थिति सर्वदा सुदृढ़ रहेगी तथा भौतिक सुखों का उपभोग करने में भी सुदृढ़ रहेंगे। इस प्रकार सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी।

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद और ज्ञीनोंइन ानउंतप दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समानताएं रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद का वर्ण ब्राह्मण तथा ज्ञीनोंइन ानउंतप का वर्ण वैश्य है। अतः ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो के प्रति रहेगी जबकि ज्ञीनोंइन ानउंतप धनार्जन संबधी कार्यो में तत्पर रहेंगी तथा धन को जीवन में विशेष महत्व देगी। अतः यदा कदा ऐसी स्थिति में मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं ।

धन

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद और ज्ञीनोंइन ानउंतप की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद एवं ज्ञीनोंइन ानउंतप की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से ज्ञवर्नोंस

ानउंत चूंद और ज्ञीनीइन ानउंतप की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद और ज्ञीनीइन ानउंतप धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद और ज्ञीनीइन ानउंतप दोनों का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रबल प्रभाव रहेगा जिससे ज्ञीनीइन ानउंतप का स्वास्थ्य प्रभावित होगा तथा ठण्ड, कफ तथा खांसी आदि से उन्हें समय समय पर परेशानी की अनुभूति होगी। साथ ही गले से संबंधित कष्ट भी हो सकता है। मंगल का भी दोनों के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होने से वे धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे तथा ज्ञीनीइन ानउंतप के गर्भपात की संभावना भी रहेगी एवं ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद हृदय रोग से असुविधा प्राप्त करेंगे। इस प्रकार मंगल एवं नाड़ी दोष के प्रभाव को देखकर मिलान नहीं करना चाहिए तथापि इसके प्रभाव को अल्प करने के लिए ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद और ज्ञीनीइन ानउंतप दोनों को हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद और ज्ञीनीइन ानउंतप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद और ज्ञीनीइन ानउंतप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ज्ञीनीइन ानउंतप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ज्ञीनीइन ानउंतप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ज्ञीनीइन ानउंतप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद और ज्ञीनीइन ानउंतप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ज्ञवर्नीस ानउंत चूंद और ज्ञीनीइन ानउंतप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

झीनेीइन ानउंतप के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद झीनेीइन ानउंतप अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से झीनेीइन ानउंतप पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि झीनेीइन ानउंतप अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण ज्ञवर्नोंस ानउंत चूंद के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।